शासकीय तुलसी महाविद्यालय अनूपपुर(म.प्र)

राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर संगोष्ठी का आयोजन

शासकीय तुलसी महाविद्यालय अनूपपुर में 13 फरवरी 2023 को भारत में राष्ट्रीय महिला दिवस पर स्वतंत्रता सेनानी और कवयित्री सरोजिनी नायडू की जीवनी पर आधारित संगोष्ठी का आयोजन किया गया। **संगोष्ठी** का आयोजन महाविद्यालय के आंतरिक गुणवत्ता **उन्नयन** प्रकोष्ठ तथा महिला प्रकोष्ठ द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता IQAC के संयोजक डॉ. **देवेंद्र** सिंह बागरी द्वारा की गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. गीतेश्वरी पाण्डेय(विज्ञान संकाय प्रवेश समिति की समन्वयक) एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. आकांक्षा राठौर(सहा.प्राध्यापक वाणिज्य), **प्रीति** वैश्य (सांस्कृतिक समिति संयोजक) सहित अन्य **विभागों** की महिला सहा.प्राध्यापक प्रो. संगीता बासरानी ,डॉ. भावना सिंह, डॉ. शैली अग्रवाल, डॉ. तरन्नुम सरवत, **श्रीमती** सुनैना चौधरी, सुश्री प्रज्ञा तिवारी, सुश्री छाया सिंह तथा महाविद्यालय की छात्राएं उपस्थित रहे। संगोष्ठी में मुख्य अतिथि डॉ. गीतेश्वरी पाण्डेय ने अपने वक्तव्य में डॉक्टर सरोजिनी नायडू के जीवन परिचय पर प्रकाश डालते हुए बताया कि प्रमुख स्वतंत्रता सेनानी और कवयित्री सरोजिनी नायडू सम्मान में अखिल भारतीय महिला संघ ने वर्ष 2014 से सरोजिनी नायडू की 135वीं जयंती के उपलक्ष्य पर उनके **जन्मदिवस** को राष्ट्रीय महिला दिवस के रूप में मनाए जाने **की** शुरुआत की। इस वर्ष 2023 में सरोजिनी नायडू की 144वीं जयंती है। डॉ. गीतेश्वरी पाण्डेय ने सरोजिनी नायडू बारे में बताया कि औपनिवेशिक शासन से स्वतंत्रता के लिए भारत के संघर्ष के दौरान सरोजिनी नायडू ने एक **महत्वपूर्ण** भूमिका निभाई। रोमांस, देशभक्ति और त्रासदी पर **उनकी** कविताओं के कारण उन्हें भारत कोकिला के रूप में जाना जाता था। भारत में महिलाओं की सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक और आर्थिक उपलब्धियों को चिह्नित करने के लिए उनके जन्मदिन पर भारत का राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया जाता है।

इस संगोष्ठी में उपस्थित **श्रीमती** प्रीति वैश्य ने छात्राओं को राष्ट्रीय महिला दिवस की शुभकामनाएं दी तथा तथा जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा लेने के लिए प्रोत्साहित किया। डॉ आकांक्षा राठौर ने **छात्राओं** को हमेशा जीवन में अपने लक्ष्य के प्रति जागरूक रहना चाहिए व उन्हें प्राप्त करने की हरसंभव कोशिश करनी चाहिए बताया। डॉ. भावना सिंह को राष्ट्रीय महिला दिवस की बधाई हुए अपने का पालन प्रोत्साहित किया तथा **उन्हें** कहा कि अपना आत्मसम्मान सम्मान बनाए रखें।

इस अवसर पर यूनीसेफ द्वारा बाल संरक्षण पर जागरूकता अभियान में सराहनीय **कार्य** हेतु राज्य स्तरीय पुरस्कार प्राप्त महाविद्यालय की छात्रा एवं NSS स्वयं सेवक, कुसुम केवट को सम्मानित किया गया।

राष्ट्रीय महिला दिवस की बधाई हुए कुसुम केवट

मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. गीतेश्वरी पाण्डेय ,विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. आकांक्षा राठौर एवं डॉ. भावना सिंह

राष्ट्रीय महिला दिवस की बधाई हुए श्रीमती प्रीति वैश्य

GPS Map Camera
Kusmahai, Madhya Pradesh, India
4P67+FGG, Amarkantak Rd, Kusmahai, Madhya Pradesh 484224, India
Lat 23.11126°
Long 81.713744°
13/02/23 12:44 PM GMT +05:30
Google

शा. तुलसी महाविद्यालय मे राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर संगोष्ठी का आयोजन संपन्न

सर्वोच्च सत्ता अनूपपुर

भारत कोकिला के नाम से मशहूर सरोजिनी नायडू का जन्म 13 फरवरी, 1879 को हैदराबाद में हुआ था। सरोजिनी नायडू की जन्म तिथि 13 फरवरी को भारत में राष्ट्रीय महिला दिवस (नेषनल वोमेन डे 2023) के रूप में मनाई जाती है। प्रमुख स्वतंत्रता सेनानी और कवयित्री सरोजिनी सम्मान में उनकी जयंती पर यह दिवस मनाते हैं। सरोजिनी नायडू के जीवन से महिलाओं को आज भी प्रेरणा मिलती है। उन्होनें महिलाओं की शिक्षा और समाज में उन्हें हर क्षेत्र में आगे बढ़ाने के लिए बहुत प्रोत्साहित किय था। इसलिए अखिल भारतीय महिला संघ ने वर्ष 2014 से सरोजिनी नायडू की 135वीं जयंती के उपलक्ष्य पर उनके जन्मदिवस को राष्ट्रीय महिला दिवस के रूप में मनाए जाने की शुरुआत की। इस वर्ष 2023 में सरोजिनी नायडू की 144वीं जयंती है।इस संगोष्ठी में श्रीमती प्रीति वैश्य ने छात्राओं को राष्ट्रीय महिला दिवस की शुभकामनाएं दी तथा तथा जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा लेने के लिए प्रोत्साहित किया। डॉ आकांक्षा राठौर ने छात्राओं को हमेशा जीवन में अपने लक्ष्य के प्रति जागरूक रहना चाहिए व उन्हें प्राप्त करने की हरसंभव कोशिश करनी चाहिए बताया। डॉ भावना सिंह ने छात्राओं को राष्ट्रीय महिला दिवस की बधाई देते हुए अपने कर्तव्यों का पालन करने के लिए प्रोत्साहित किया तथा उन्हें कहा कि अपना आत्मसम्मान सम्मान हमेशा बनाए रखें। डॉ. गीतेश्वरी पांडे ने सरोजिनी नायडू के बारे में बताया की औपनिवेशिक शासन से स्वतंत्रता के लिए भारत के संघर्ष के दौरान सरोजिनी नायडू ने एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। रोमांस, देशभक्ति और त्रासदी पर उनकी कविताओं के कारण उन्हें 'भारत कोकिलाश् या 'भारत कोकिलाश् के रूप में जाना जाता था। भारत में महिलाओं की सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक और आर्थिक उपलब्धियों को चिह्नित करने के लिए उनके जन्मदिन पर भारत का राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया जाता है। नायडू दृढ़ विश्वास वाली महिला थीं। वह संयुक्त प्रांत की पहली महिला राज्यपाल बनीं, जो अब उत्तर प्रदेश का वर्तमान राज्य है। उनकी शैक्षिक और राजनीतिक क्षमताओं के कारण 1925 में उन्हें भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का अध्यक्ष चुना गया। महात्मा गांधी द्वारा शुरू किए गए भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान उन्हें 21 महीने के लिए जेल भी भेजा गया था। उन्होंने भारतीय संविधान के प्रारूपण में भी महत्वपूर्ण के योगदान दिया। अपने सभी साहसिक दृढ़ विश्वासों और मजबूत व्यक्तित्व के लिए, वह एक महिला आइकन हैं और देश की लंबाई और चौड़ाई में लाखों महिलाओं के लिए एक नायक हैं। संगोष्ठी में महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. देवेंद्र सिंह बागरी, विनोद कोल, श्रीमती सुनैना चौधरी, कु. प्रज्ञा तिवारी, डॉ. शैली अग्रवाल तथा महाविद्यालय की छात्राएं उपस्थित रहे। इस अवसर पर महाविद्यालय की छात्रा कुसुम केवट का सम्मान किया गया कुसुम केवट को महिला संरक्षण संरक्षण पर राज्य स्तरीय पुरस्कार दिया गया है।